आईआईटी बीएचयू में अंतिम दिन सामाजिक समस्याओं पर किया गया मंथन

तकनीक से समाधान में करेंगे मदद

संगोष्ठी

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू में चल रहे तीन दिवसीय इंस्टीट्यूट-इंडस्ट्री-सोसाइटी विषयक संगोष्ठी के अंतिम दिन रविवार को सामाजिक समस्याओं के समाधान पर चर्चा हुई। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने वादा किया कि बीएचयू आईआईटी सामाजिक समस्याओं का तकनीकी समाधान खोजेगा।

प्रो. अन्नपूर्णा शुक्ला ने महिला शिक्षा और उद्यमिता को विकास की धुरी बताया। सुरेश शुक्ला ने अवयस्कों के पोर्न कंटेन्ट देखे जाने की समस्या से उत्पन्न सामाजिक मानसिक विकृतियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसके निवारण के लिए फिल्टरिंग ऐप लागू किये जाने

आईआईटी बीएचयू में इंस्टीट्यूट-इंडस्ट्री-सोसाइटी कानक्लेव के समापन सत्र को संबोधित करते निदेशक प्रो.प्रमोद कुमार जैन। • हिन्दुस्तान

की वकालत की। जागृति राही ने बाल अपराध के रोक-थाम तथा अवयस्कों के अपराध मनोवृत्ति के निवारण में आईआईटी जैसे संस्थानों से मदद की अपेक्षा की।

धार्मिक यात्राओं के संयोजक उमाशंकर गुप्ता ने यात्राओं के कल्चरल मैपिंग के लिए आईआईटी से मदद की अपील की। भारत विकास परिषद् सुदीप टंडन ने संस्थान से ह्यभारत जानो ऐपह्व के निर्माण के लिए सहायता की अपील की। क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा. सुभाष चन्द्र यादव ने पुरातन धरोहरों के संरक्षण और घाटों से रासायनिक रंगों को हटाने के लिए सहयोग मांगा।

दूसरी तरफ पर्यावरण, जल संरक्षण, कृषि व जैविक खेती इत्यादि क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों में प्रमुख रुप से डा. राजेश श्रीवास्तव, विजय त्रिपाठी, कपिन्द्र तिवारी, विजय कृष्णा, योगेश श्रीवास्तव, चन्द्रशेखर मिश्रा, अजय सुमन, अभिषेक श्रीवास्तव, रविषेखर, धनंजय त्रिपाठी, मुकेष उपाध्याय, अनुप श्रमिक, जनार्दन सिंह ने विचार व्यक्त किये।

अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने कहा कि उनके द्वारा दिये गये सुझावों का विष्लेषण किया जायेगा तथा प्राथमिकताओं के आधार पर उनके समाधान की कोशिश होगी. तकनीकि समाधान के लिए प्रस्तावित सिंगल विण्डो सिस्टम को लागू करने की योजना को लागू करने का आश्वासन दिया।

हिन्दुस्तान– 03.09.2018